

# Aarti Shri Yugal Kishoreki Keejai Lyrics in Hindi English

## **Aarti Shri Yugal Kishoreki Keejai Lyrics in Hindi**

आरती युगलकिशोर की कीजै ।  
तन मन धन न्योछावर कीजै ॥

गौरश्याम मुख निरखन लीजै ।  
हरि का रूप नयन भरि पीजै ॥

रवि शशि कोटि बदन की शोभा ।  
ताहि निरखि मेरो मन लोभा ॥

ओढ़े नील पीत पट सारी ।  
कुंजबिहारी गिरिवरधारी ॥

फूलन सेज फूल की माला ।  
रत्न सिंहासन बैठे नंदलाला ॥

कंचन थार कपूर की बाती ।  
हरि आए निर्मल भई छाती ॥

श्री पुरुषोत्तम गिरिवरधारी ।  
आरती करें सकल नर नारी ॥

नंदनंदन वृजभान किशोरी ।  
परमानंद स्वामी अविचल जोरी ॥

## **Aarti Shri Yugal Kishoreki Keejai Lyrics in English**

Aarti Yugal Kishore Ki Keejai,  
Tan man dhan nyochhawar keejiye.

Gaur Shyam mukh nirakhan leejiye,  
Hari ka roop nayan bhari peejiye.

Ravi Shashi koti badan ki shobha,  
Tahi nirakhi mero man lobha.

Odhye neel peet pat saari,  
Kunjbihari Girivaradhari.

Phoolan se rajai phool ki maala,  
Ratna sinhasan baithe Nandlala.

Kanchan thaar kapoor ki baati,  
Hari aaye nirmal bhai chhati.

Shri Purushottam Girivaradhari,

Aarti karein sakal nar naari.

Nandanandan Brijbhaan Kishori,  
Parmanand Swami Avichal Jori.

## About Aarti Shri Yugal Kishoreki Keejai in English

“Aarti Shri Yugal Kishoreki Keejai” is a devotional hymn dedicated to Lord Krishna, particularly in his form as Yugal Kishore, symbolizing his eternal bond with Radha. The aarti praises the divine couple, Lord Krishna (Shyam) and Radha, highlighting their beauty, grace, and their significance in the spiritual realm. The lyrics describe Lord Krishna’s captivating appearance, emphasizing his charming face, his radiant body like the sun and moon, and the adornments of his blue and yellow garments, which are symbolic of his divine and playful nature.

The song also focuses on the divine love between Krishna and Radha, often depicted as the perfect embodiment of spiritual love and devotion. The aarti further elaborates on Lord Krishna’s form, his mesmerizing presence in Vrindavan, and his role as the supreme god who fills the hearts of his devotees with divine bliss. The offering of this aarti involves a deep sense of surrender and reverence to Krishna, seeking his blessings for inner peace, spiritual growth, and protection.

The hymn also mentions the worship of the divine couple with flowers, incense, and the light of the lamp, signifying devotion and surrender. “Aarti Shri Yugal Kishoreki Keejai” is sung to invoke Lord Krishna’s grace, and it is believed to bring spiritual fulfillment and eternal joy to the devotees.

## About Aarti Shri Yugal Kishoreki Keejai in Hindi

“आरती श्री युगल किशोर की कीजै” एक भक्ति गीत है जो भगवान श्री कृष्ण और राधा के दिव्य रूपों की पूजा में गाया जाता है। यह आरती श्री कृष्ण को उनके युगल रूप “युगल किशोर” के रूप में श्रद्धा से समर्पित होती है, जिसमें भगवान श्री कृष्ण और राधा की अडिग और अनंत प्रेम बंधन को दर्शाया गया है।

आरती में भगवान श्री कृष्ण के आकर्षक रूप का वर्णन किया गया है, जिसमें उनके गौर और श्याम रंग, सुंदर मुखड़ा और आभूषणों का उल्लेख है। उनकी नीले और पीले रंग की साड़ी को भी दर्शाया गया है, जो उनके खेलने, मस्ती और लीलाओं का प्रतीक है। यह गीत श्री कृष्ण और राधा के प्रेम का भी गुणगान करता है, जो आध्यात्मिक प्रेम और भक्ति का आदर्श है।

आरती में भगवान श्री कृष्ण और राधा की पूजा फूलों, दीपों और कपूर से की जाती है, जो भक्ति और समर्पण का प्रतीक होते हैं। यह आरती भक्तों को श्री कृष्ण के आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए एक साधन प्रदान करती है और जीवन में आध्यात्मिक शांति, सुख और आनंद की प्राप्ति का मार्ग दिखाती है। इस आरती को गाने से भगवान कृष्ण की कृपा प्राप्त होती है और भक्तों के जीवन में दिव्यता का संचार होता है।